Language Code : **04**

SAS-24-II

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

इस पुस्तिका में **20** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **20** Printed pages.

प्रश्न-पत्र-II / PAPER-II
बंगाली भाषा परिशिष्ट
Bengali Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code

N

बंगाली में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN BENGALI SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **बंगाली** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **N**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (बंगाली) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (बंगाली) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगाली भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगाली के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/ marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **N**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Bengali) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Bengali) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :
अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :
Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **04**

SAS-24-II

প্রশ্ন পত্র-II
বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট
ভাগ-IV & V

মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

N

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত

যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না।

পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠা 19 এবং 20) মুদ্রিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন।

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ :

1. যে সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) **অথবা** ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) **-এর কিন্তু দুটিরই নয়** - উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V এ দেওয়া আছে। পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিশিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণগুলি লেখার জন্য এবং উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিত করণের জন্য **কেবলমাত্র নীল/কালো বল্ পয়েন্ট পেনই** ব্যবহার করতে হবে।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **N**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন। কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (Invigilator) এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন।
6. এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V - এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে 60টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান। প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের :
   ভাগ IV : ভাষা I (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)
   ভাগ V : ভাষা II (বাংলা) (প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)
7. **ভাগ IV এ ভাষা I এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V এ ভাষা II এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন। যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় - তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন। আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে।**
8. **পরীক্ষার্থীদের ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে - যা তার ভাষা I (ভাগ IV) এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা। অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না।**
9. পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work) -এর জন্য নির্দিষ্ট খালি-জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে।
10. সব উত্তর (OMR) উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে। উত্তর চিহ্নিত করণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

ক্রমিক সংখ্যা (সংখ্যায়) : ____________________

: (অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : ____________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ____________________ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)** - এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **BANGLA** as **Language-I** only.

PART-IV
LANGUAGE-I
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-IV (91 থেকে 120 নং প্রশ্ন)**-এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (91 থেকে 99 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

অমিয়মাধবের মৃত্যুতে সমস্ত এলাহাবাদ শহরে একটা হৈচৈ পড়ে গেল। আর পড়াই তো স্বাভাবিক। এ তো সাধারণ মৃত্যু নয় - একেবারে, যাকে বলে, ইচ্ছামৃত্যু। সাধকদের ঈপ্সিত এ মৃত্যু - কিন্তু ক'জন সাধকই বা এমন মৃত্যু পান ? কলিযুগে কেন - সেই ত্রেতা-দ্বাপরের পৌরাণিক কাহিনীর মধ্যেই বা কটা এমন মৃত্যুর কথা পাওয়া যায় ? অমিয়মাধব পার্থিব দিক থেকে অতি সাধারণ ধরনের মানুষ ছিলেন বলেই তাই - তাঁর ছেলেমেয়েদেরও খুব একটা পাব্লিসিটি বা প্রচারের লোভ ছিল না বলেও - নইলে এলাহাবাদ কেন, সারা ভারতেই তো হৈচৈ পড়ে যাওয়ার কথা।

অমিয়মাধব রায় ছিলেন কনট্র্যাক্টর। কিছুদিন রূড়কীতে ইঞ্জিনীয়ারিংও পড়েছিলেন। পড়তে পড়তেই তাঁর বিবাহ হয়। বিবাহের সময় যে নগদ পাঁচ হাজার টাকা যৌতুক পাওয়া গিয়েছিল সেটা তাঁর বাবা বিবাহে খরচ করেন নি - পুরোপুরিই ছেলের হাতে দিয়েছিলেন ভবিষ্যতের সম্বল বলে। অমিয়মাধবের পড়াশুনো আর বেশীদূর এগোয়নি, তার কারণ অবশ্যই নবোঢ়া পত্নীপ্রীতি নয় - প্রধান কারণ বাবার অকালমৃত্যু। সংসারের ভার ঘাড়ে এসে পড়েছিল। বাবা যা রেখে গিয়েছিলেন তাতে যে আর বছর দুই পড়ে পাস করা চলত না তা নয় - সেকালে রূড়কী থেকে পাস করলে সরকারী চাকরিরও অভাব হত না কিন্তু অতদিন অপেক্ষা করে অত কম আয়ের কথাটা ভাল লাগে নি অমিয়মাধবের। তিনি পৈতৃক অর্থ সংসারের জন্য রেখে যৌতুকের টাকাটা নিয়েই ব্যবসায়ে নেমে পড়েছিলেন - এবং তারপর থেকে ক্রমাগত পরিশ্রম করে ত্রিশ বৎসরে ঠিক পাঁচশ গুণ মুনাফা আদায় করেছিলেন।

টাকা রোজগার করতে নেমেছিলেন - কতকটা প্রয়োজনে কতকটা কৃতিত্ব প্রমাণ করতে, টাকার নেশা তাঁকে পেয়ে বসে নি। কোথায় কখন থামতে হয় তা তিনি জানতেন। ঠিক পঞ্চান্ন বছর বয়সে থামলেন তিনি। বললেন, 'আর না। এবার যা করেছি তা ভোগ করব। এর চেয়ে বেশী দেরি করলে সে সময়টুকু বয়ে যাবে।'

এর মধ্যে তাঁর ছেলেরা মানুষ হয়ে গিয়েছিল। যার যা ইচ্ছা তাকে সেই পথেই যেতে দিয়েছিলেন অমিয়মাধব। বড়ছেলে ডেপুটি ম্যাজিস্ট্রেট, মেজছেলে উকীল, সেজছেলে ব্যবসাদার, ছোটটি সদ্য সরকারী চাকরিতে ঢুকেছে। মেয়ে একটি, তার বিয়ে হয়েছে এক ডাক্তারের সঙ্গে। মিলিটারী ডাক্তার - কিন্তু অবস্থা ভাল। সবাই সুখী। তাদের কথা ভাববার কোন দরকার ছিল না তাঁর।

তবে কোথায় তাঁর শেষ আড্ডা গাড়বেন সেটা ভাবার প্রয়োজন ছিল। তাঁর জীবনের বেশীর ভাগই কেটেছে মধ্যভারতে। জব্বলপুর, ঝাঁসি, নাগপুর - এর মধ্যেই তাঁর কাজকর্ম হয়েছে বেশীর ভাগ। ছেলেরাও ছড়িয়ে আছে এই দিকে - ঝাঁসি, সাতনা, নাগপুর। মেয়ে থাকে পুনায়। সুতরাং অনেক ভেবে তিনি এলাহাবাদেই বাড়ি তৈরি করিয়েছিলেন। জব্বলপুরে করবার জন্যেই সকলে বলেছিল কিন্তু তিনি রাজী হন নি, বলেছিলেন, 'না-চিরকালের কর্মক্ষেত্রে থাকলে বিশ্রাম হবে না। তাছাড়া অগঙ্গার দেশে মরতে চাই না। গঙ্গার কাছে থাকব।'

সে বহুদিনের কথা। এলাহাবাদে বসে একে একে যেমন নিজের ব্যবসা গুটিয়ে এনেছেন তেমনি একখানির পর একখানি বাড়ি কিনেছেন। দেহাতে চাষের জমিও করেছেন কিছু - কিন্তু সে কম। ঠিক নিজেদের প্রয়োজনমত। বলেছেন, 'আমি মলে ছেলেরা এসব কিছুই উদ্ধার করতে পারবে না, বাড়িগুলো থাকলে ভাড়া দিয়ে না পারুক, বেচে খেতেও পারবে।'

অমিয়মাধব চিরদিনই একরোখা তেজী মানুষ। ধর্মভীরু বলতে যা বোঝায় তেমন মিনমিনে স্বভাবের নয়। ধর্মের ধারণাটা ছিল আলাদা। বলতেন, 'মিথ্যে কথা বলেছি বৈকি! ঢের, ঝুড়ি ঝুড়ি বলেছি। ব্যবসা করব আর মিথ্যে কথা বলব না তা কখনও হয়। তবে তাতে দোষ নেই। বিনা কারণে একটিও মিথ্যে কথা বলি নি, এটা গর্ব করে বলতে পারি। যেটা - আপনাদের মধ্যে অনেকেই বুকে হাত দিয়ে হলফ করে বলতে পারবেন না। অনেকেই অকারণে মিছে কথা বলেন - তা আমি জানি।'

দানধ্যান ছিল, - পরিমিত ও নিয়মিত। পূজাপার্বণ স্ত্রী বা বৌমারা যা করতেন, তাতে কখনও বাধা দেন নি, নিজের খুব উৎসাহও ছিল না। স্ত্রী উপবাস করতে বললে করতেন। বলতেন, 'সহধর্মিণী - তার ধর্মবিশ্বাসে আঘাত দেব কেন ?' নিজে দীক্ষা নেন নি, স্ত্রীকে অনুমতি দিয়েছিলেন দীক্ষা নিতে। নিজে শুধু ত্রি-সন্ধ্যা গায়ত্রী করতেন, পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করতেন আর ভোরবেলা বিছানায় বসে কী জানি কি নাম বা মন্ত্র জপ করতেন। পরলোকের কাজ বলতে ঐটুকু।

91. "পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করতেন আর ভোরবেলায় বিছানায় বসে কী জানি কী নাম বা মন্ত্র জপ করতেন" - বাক্যটির সাধুভাষার সঠিক রূপ কোনটি ?

(1) পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করিতেন আর ভোরবেলায় বিছানায় বসিয়া কী জানি কী নাম বা মন্ত্র জপ করিতেন।

(2) পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করতেন আর ভোরবেলায় বিছানায় বসিয়া কী জানি কী নাম বা মন্ত্র জপ করিতেন।

(3) পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করিতেন আর ভোরবেলায় বিছানায় বসিয়া কী জানি কী নাম বা মন্ত্র জপ করতেন।

(4) পর্বদিনে গঙ্গাস্নান করিতেন আর ভোরবেলায় বিছানায় বসে কী জানি কী নাম বা মন্ত্র জপ করিতেন।

92. জীবনের শেষ প্রান্তে এসে তিনি এলাহাবাদে স্থায়ীভাবে বসবাস করতে শুরু করলেন কেন ?

(1) তিনি অত্যন্ত ধর্মভীরু ছিলেন বলে।

(2) গঙ্গাতীরবর্তী শহরে জীবনের শেষ দিনগুলি কাটানোর জন্য।

(3) ধার্মিক স্ত্রী এবং পুত্রবধূর কথা অমান্য করতে না পেরে।

(4) তিনি প্রতিদিন গঙ্গাস্নান করতেন বলে।

93. নিম্নে প্রদত্ত বিবৃতিগুলি ঘটনাক্রম অনুযায়ী সাজালে সঠিক ক্রমটি হবে ঃ-

(ক) অমিয়মাধব এলাহাবাদে বসে সমস্ত ব্যবসা গুটিয়ে নিলেন।

(খ) অমিয়মাধব মধ্যপ্রদেশের বিভিন্ন শহরে তাঁর ব্যবসা চালাতে লাগলেন।

(গ) অমিয়মাধব রূঢ়কীতে ইঞ্জিনীয়ারিং পড়তেন।

(ঘ) যৌতুকে পাওয়া টাকা দিয়ে ব্যবসা শুরু করলেন।

সঠিক উত্তর নির্বাচন কর ঃ-

(1) (গ) - (ঘ) - (খ) - (ক) (2) (ক) - (গ) - (খ) - (ঘ)

(3) (ঘ) - (গ) - (খ) - (ক) (4) (খ) - (গ) - (ক) - (ঘ)

94. নিম্নে প্রদত্ত কোন বিশেষণটি অমিয়মাধবের চরিত্র বর্ণনায় প্রযোজ্য নয় ?

(1) একরোখা (2) উদার মনোভাবাপন্ন (3) ব্যবসায়িক দূরদৃষ্টিসম্পন্ন (4) ধর্মভীরু

95. অমিয়মাধবের ব্যবসা শুরু করার পিছনে প্রধান কারণ কী ছিল ?

(1) নববধূর প্ররোচনায় তিনি পড়াশোনা ছেড়ে দেওয়া স্থির করলেন।

(2) পিতার রেখে যাওয়া টাকা তাঁর ইঞ্জিনীয়ারিং কলেজের বেতনের জন্য যথেষ্ট ছিল না।

(3) ইঞ্জিনীয়ারীং করে যে স্বল্প বেতনের সরকারী চাকরি পাওয়া যাবে তাতে তিনি সন্তুষ্ট ছিলেন না।

(4) পিতার মৃত্যুতে তিনি কপর্দকশূন্য হয়ে পড়েছিলেন।

96. কোন বিবৃতিটি সঠিক ?

(1) অমিয়মাধব মৃত্যুর দিন পর্যন্ত ব্যবসা চালিয়ে যেতে লাগলেন।

(2) পেশা নির্বাচনে ছেলেদের উপর কখনও নিজের মতামত চাপিয়ে দেন নি।

(3) তিনি ব্যবসার শ্রীবৃদ্ধির আশায় এলাহাবাদে বসবাস শুরু করলেন।

(4) পৈতৃক অর্থ দিয়ে ব্যবসা করে অমিয়মাধব মুনাফা করতে পারেন নি।

97. "যার যা ইচ্ছা তাকে সেই পথেই যেতে দিয়েছিলেন অমিয়মাধব" - কোন শ্রেণীর বাক্য ?

(1) সরল (2) মিশ্র (3) যৌগিক (4) জটিল

98. 'পূজাপার্বন' কোন সমাস ?

(1) বহুব্রীহি (2) দ্বিগু (3) দ্বন্দ্ব (4) তৎপুরুষ

99. 'পরিমিত' - এর বিশেষ্য রূপ কোনটি ?

(1) পরিমেয় (2) পরিমিতি (3) পরিমাপ (4) পরিমার্জিত

নির্দেশ ঃ নীচের কবিতাটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (100 থেকে 105 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

টাকার অভাবে বিটিটোর বিহা দিতে পারিনি
উত্তরপোদেশের ছোড়া পাঁচশো টাকায় কিনে নিয়ে গেল
আজও কোনো খবর পাইনি জান্‌ডা যে কী করে
ঘরদোর ফাঁকা ফাঁকা মালক্ষ্মী আছে কেমন কর্যে ?

পূজোয় একটো কাপুড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখু
লালপেড়ে চেয়েছিল ক'টা টাকার জন্যি তোরে
ছেড়ে দিতে হ'ল বিদেশে বিভুঁইয়ে
বাতাস, তুই আমার পুন্নির গা ছুঁয়ে আসিস্‌

মা মরা মেয়্যা গুবোর ঝুড়ি নামিয়ে রেখে হেঁসেলে
আস্‌তিস্‌ ঃ 'বাবা কী রাধ্‌বো চাল বাড়ন্ত'
খুদটুদ যা রাধ্‌তিস একেবারে অম্‌ঋত্‌
বুড়া বয়েসে ভগোবান আমারে এত দুঃখু দিলি

তোর মা-রে কতদিন হারাইছি শুধু তোর জন্যি
দ্বিতীয় সংসারের কথা ভাবিনি, হৃদয়খানা রাত্তির
আকাশের মতো তোলপাড় করে ঘুম আসে না বিটি
একদম ঘুম আসে না কতদিন তোকে যে দেখিনি !

100. "পূজোয় একটো কাপুড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখু" - পংক্তিটির প্রচলিত কথ্য ভাষার সঠিক রূপটি হবে -

(1) পূজোয় একটা কাপড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখ।
(2) পূজোয় একটো কাপড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখ।
(3) পূজোয় একটা কাপড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখু।
(4) পূজোয় একটা কাপুড় দিতে পারিনি বলে কত দুঃখ।

101. "বাতাস, তুই আমার পুন্নির গা ছুঁয়ে আসিস" -
উক্তিটিতে কীসের ব্যকুলতা প্রকাশ পেয়েছে ?

(1) কন্যার স্পর্শ পাওয়ার ব্যাকুলতা।
(2) কন্যাকে লাল পেড়ে শাড়ি কিনে দেওয়ার ব্যাকুলতা।
(3) নিঃসঙ্গ জীবনে দ্বিতীয় পত্নী আনার ব্যাকুলতা।
(4) কন্যার রান্না করা খুদ খাওয়ার ব্যাকুলতা।

102. পিতার অসহায়তার যে করুণ চিত্রটি এখানে ফুটে উঠেছে তার কারণ কী ?

(1) পত্নী বিয়োগের পর দ্বিতীয় বিবাহ না করার পশ্চাত্তাপ।
(2) দীর্ঘদিন মেয়ের হাতের রান্না খেতে না পাওয়ার দুঃখ।
(3) অর্থাভাবের দরুণ বিয়ে দিতে না পেরে মেয়েকে দূরদেশে বিক্রি করার যন্ত্রণা।
(4) পত্নীর অসুখে উপযুক্ত চিকিৎসার ব্যবস্থা না করতে পারার দুঃখ।

103. “. . . . . . . হৃদয়খানা রাত্তির
আকাশের মতো তোলপাড় করে . . . . .”
উদ্ধৃতিটিতে কোন অলঙ্কার প্রয়োগ করা হয়েছে ?

(1) শ্লেষ (2) উপমা (3) অনুপ্রাস (4) যমক

104. “বাবা কী রাঁধব চাল বাড়ন্ত” -
এখানে ‘বাড়ন্ত’ শব্দের অর্থ -

(1) পর্যাপ্ত (2) অপর্যাপ্ত (3) যথেষ্ট (4) নিঃশেষিত

105. কবিতাটির মাধ্যমে কী প্রকাশ পেয়েছে ?

(1) কন্যার মৃত্যুতে পিতার মানসিক যন্ত্রণা।
(2) কন্যার দূরদেশে বিয়ে দেওয়ায় পিতার বিয়োগব্যথা।
(3) দৈন্যে দায়ে কন্যা বিক্রি করতে বাধ্য পিতার হাহাকার।
(4) পত্নীর মৃত্যুতে পতির মানসিক যন্ত্রণা।

নির্দেশ ঃ নীচের প্রশ্নগুলির (106 থেকে 120 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক গ্রহণযোগ্য উত্তরটি নির্বাচন করুন।

106. সংশোধনমূলক শিক্ষণ কাদের জন্য ?

(1) সেই শিক্ষিকাদের জন্য -- শিক্ষার্থীর ভাষা শিখনে যাদের শিক্ষণ প্রণালী আধুনিকীকরণের প্রয়োজন।
(2) শিক্ষার্থীদের এবং শিক্ষিকাদের উভয়ের জন্য, যাদের শিক্ষণ/শিখন পদ্ধতির অনুধাবন এবং আধুনিকীকরণ/উন্নতিসাধনের প্রয়োজন।
(3) ভাষা পরীক্ষায় অধিক মান অর্জনের জন্য শিক্ষার্থীদের এবং শিক্ষিকাদের উভয়েরই প্রয়োজন।
(4) শিক্ষার্থীদের জন্য যাদের ভাষা শিখনে কোনো বিশেষ ক্ষেত্রে মনোযোগ প্রয়োজন।

107. ষষ্ঠশ্রেণীর ছাত্রী শ্রেয়া পাঞ্জাবের জলন্ধর থেকে তামিলনাড়ুর মাদুরাইতে গেল, কারণ তার বাবা বদলি হয়ে গেছেন। সে পাঞ্জাবি ভাষাকেই মাতৃভাষা বলে জানে। এবং বিদ্যালয়ে ইংরেজী সে দ্বিতীয় ভাষা হিসেবে অধ্যয়ন করে। সে তার প্রতিবেশির কাছ থেকে শিখে তামিল বলতে এবং পড়তে জানে। এখন তার জানা ভাষাগুলিকে ভিত্তি করে কোন বিবৃতিটি সত্য ?

(1) তার তামিল ভাষা অর্জনের মধ্যে আসে এবং ইংরেজী ও পাঞ্জাবি ভাষা শিখনের মধ্যে আসে।
(2) তিনটি ভাষাই পাঞ্জাবি, তামিল এবং ইংরেজী ভাষা শিখনের মধ্যে আসে।
(3) তার ইংরেজী ভাষা অর্জনের মধ্যে আসে এবং পাঞ্জাবি ও তামিল ভাষা শিখনের মধ্যে আসে।
(4) তার পাঞ্জাবি এবং তামিল ভাষা অর্জনের মধ্যে আসে এবং ইংরেজী ভাষা শিখনের মধ্যে আসে।

108. নিচের কোনটি বিস্তৃত পঠনের (Extensive Reading) উদ্দেশ্য নয় ?

(1) জ্ঞাত তথ্যাদির দ্বারা অজ্ঞাত তথ্য নিরূপণমূলক পঠন (Reading for extrapolation)
(2) ব্যাকরণ শিখনের জন্য পঠন (Reading for learning grammar)
(3) আনন্দের জন্য পঠন (Reading for pleasure)
(4) উপলব্ধিমূলক পঠন (Reading for appreciation)

109. শিক্ষণের একটি পদ্ধতি যাতে একজন শিক্ষিকা এবং চারজন শিক্ষার্থী পৃথক পৃথক ভূমিকা সম্পন্ন একটি সহযোগী শিখন দল গঠন করে। পাঠটির বিষয়ের উপর সংলাপ গঠন করা হয়, যা পারস্পরিক সহযোগীমূলক পরিস্থিতি সৃষ্টি করে যাতে পঠন বোধগম্যতার উন্নতি সাধন ঘটে। এই পদ্ধতিটিকে বলা যেতে পারে -

(1) অন্যোন্য শিক্ষণ (Reciprocal Teaching)
(2) গঠনমূলক আবেদন (Structural Approach)
(3) আদর্শ পঠন (Model Reading)
(4) ব্যাকরণ-অনুবাদ পদ্ধতি (Grammar Translation Method)

110. যে ভাষা আমরা দিনের পর দিন, মৌখিক সংযোগ সাধনে ব্যবহার করি সেটি কী নামে পরিচিত ?

(1) প্রাথমিক ব্যক্তিভিত্তিক সংযোগ সাধন দক্ষতা (BICS) (Basic Interpersonal Communication Skills)

(2) সংযোগ সাধনকারী ভাষা দক্ষতা (Communicative Language Skills)

(3) ব্যক্তিভিত্তিক ভাষা কুশলতা (Interpersonal Language Proficiency)

(4) ধারণা সংক্রান্ত শৈক্ষিক ভাষা যোগ্যতা (CALP) (Cognitive Academic Language Proficiency)

111. একজন শিক্ষার্থী সংবাদপত্রের সংবাদগুলি পড়ে একটি বিশেষ তথ্য জানতে চাইছিলেন। এই পঠন কী নামে পরিচিত ?

(1) অমনোযোগী পঠন (skimming)
(2) বিশদ পঠন (scanning)
(3) অধ্যয়ন দক্ষতা (study skills)
(4) জটিল পঠন (critical reading)

112. মাধ্যমিক স্তরের একজন শিক্ষিকা একটি পাঠ/ ছোটগল্প দিলেন এবং পাঠটি পড়তে বললেন এবং দৃষ্টিভঙ্গী ও বিচারের দিক থেকে পাঠটির অর্থ এবং ধারণা আলোচনা করতে বললেন।

শিক্ষিকা শিক্ষার্থীদের মধ্যে কীসের বিকাশ ঘটাতে চাইছেন ?

(1) জটিল শিক্ষানীতি (Critical Pedagogy)

(2) জটিল ভাষা বিকাশ (Critical Language of Development)

(3) উচ্চতর মানের ভাষা দক্ষতা (Higher Order Language Skills)

(4) জটিল সাক্ষরমূলক দক্ষতা (Critical Literacy Skills)

113. শিক্ষণ-শিখন ব্যাকরণে বিকাশমুখী জ্ঞান হল -

(1) ব্যাকরণগত বিষয় সম্পর্কে জ্ঞান।

(2) ব্যাকরণের বিষয়গত নিয়মগুলি জানা।

(3) ভাষা এবং তার সংস্কৃতি জানা।

(4) কীভাবে ব্যাকরণের প্রশ্ন করতে হবে তা জানা।

114. নিচের কোনটি ত্রিভাষা নীতির (Three Language Formula) ক্ষেত্রে সত্য ?

(1) ইংরেজী/হিন্দী/গৃহের ভাষা/প্রথম ভাষা রূপে স্থানীয় ভাষা

(2) মাতৃভাষা/গৃহের ভাষা/প্রথম ভাষা রূপে হিন্দী ভাষা

(3) মাতৃভাষা/গৃহের ভাষা/প্রথম ভাষা রূপে ইংরেজী ভাষা

(4) মাতৃভাষা/গৃহের ভাষা/প্রথম ভাষা রূপে আঞ্চলিক ভাষা

115. একজন ভাষা শিক্ষিকা ইংরেজীতে একটি গল্প বললেন এবং শিক্ষার্থীদের তাদের যে ভাষা জানা রয়েছে সেই ভাষায় এবং তারপর ক্লাশে যে ভাষা ব্যবহৃত হয় সেই ভাষায় গল্পটি বলার জন্য দলবদ্ধ হয়ে কাজ করতে বললেন।

এই শিক্ষা বিজ্ঞানগত পদ্ধতিটি কী নামে পরিচিত ?

(1) বহুভাষিক পদ্ধতি (Multilingual Policy)

(2) বহুভাষা শিক্ষণ (Multi Language Teaching)

(3) ভাষা অর্জন (Language Aquisition)

(4) ভাষান্তরীকরণ (Translanguaging)

116. কোজিকোডিতে একটি বিশেষ জনজাতির বলা মালয়ালম, সেই একই জায়গার অন্যান্যদের বলা মালয়ালম থেকে কিছুটা ভিন্ন। এই বিশেষ জনজাতির বলা মালয়ালম কী নামে পরিচিত ?

(1) মালয়ালমের আঞ্চলিক উচ্চারণ রীতি (Regional Dialect of Malayalam)

(2) মালয়ালমের সামাজিক উচ্চারণ রীতি (Social Dialect of Malayalam)

(3) এইগুলি দুটি পৃথক ভাষা

(4) দুই ধরণের মালয়ালম (Two varieties of Malayalam)

117. আন্তর্ভাষিক শনাক্তকরণ (Interlingual Identification) কী ?

(1) শিক্ষার্থীর বিচার যে স্থানীয় ভাষার কিছু বৈশিষ্ট্য এবং লক্ষ্যভাষার কিছু বৈশিষ্ট্য অসদৃশ।

(2) শিক্ষার্থীর বিচার যে স্থানীয় ভাষাগত জ্ঞান, দ্বিতীয় ভাষা শিক্ষণে প্রতিবন্ধকতার সৃষ্টি করে।

(3) শিক্ষার্থীর বোধ যে বহুভাষা শিখন বিবিধ যোগ্যতাকে নিশ্চিত করে।

(4) শিক্ষার্থীর বিচার যে স্থানীয় ভাষার কিছু বৈশিষ্ট্য এবং লক্ষ্যভাষার কিছু বৈশিষ্ট্য সদৃশ।

118. নিচের শিখন কার্যটি বিভিন্ন দলের শিক্ষার্থীদের দেওয়া হল। 'খুঁজে বের কর' এই অভিধান শিখন কার্য (Vocabulary Learning Activity) কী নামে পরিচিত ?

শব্দ এবং ভাব প্রকাশক শব্দগুচ্ছ (Phrase) খুঁজে বের কর যা নিচে প্রদত্ত শব্দগুলির সাথে সম্পর্কিত -

পরিবার　সম্পর্ক　অনুভূতি

(1) শব্দগুচ্ছ (Word Clusters)

(2) গুচ্ছ শব্দতালিকা (Cluster Vocabulary)

(3) শব্দ-জাল (Word Web)

(4) শব্দমূল বা ধাতু সংক্রান্ত শব্দতালিকা (Thematic Vocabulary)

119. সপ্তম শ্রেণীর একজন শিক্ষিকা জোড়বদ্ধ কার্য প্রক্রিয়ার আয়োজন করলেন যাতে জোড়গুলিকে দশটি বাক্য সমন্বিত একটি গল্প দেওয়া হল। জোড়ের একজন প্রথম বাক্যটি জোরে পড়বে এবং জোড়ের অন্যজন সেই বাক্যটি লিখবে। এরপর জোড়ের অন্যজন দ্বিতীয় বাক্যটি জোরে পড়বে এবং জোড়ের প্রথম জন সেই দ্বিতীয় বাক্যটি লিখবে। এইভাবে জোড়গুলি পুরো গল্পটি সম্পূর্ণ করবে।

পরবর্তীতে তারা তাদের লেখার সাথে প্রদত্ত মূল পাঠটির তুলনা করবে। এই প্রক্রিয়া কী নামে পরিচিত ?

(1) পারস্পরিক শ্রবণ (Mutual Listening)

(2) বাক্য শ্রুতিলিখন (Sentence Dictation)

(3) পারস্পরিক শ্রুতিলিখন (Mutual Dictation)

(4) পারস্পরিক লিখন (Mutual Writing)

120. নিচের কোনটি সাংকেতিক ভাষা (Sign-language) - এর জন্য সত্য নয় ?

(1) সাংকেতিক ভাষা একটি স্বাভাবিক ভাষা।

(2) সাংকেতিক ভাষার কোনো ব্যাকরণ নেই।

(3) সাংকেতিক ভাষার একটি ব্যাকরণ আছে।

(4) সাংকেতিক ভাষার অনেক বৈচিত্র্য রয়েছে।

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)** - এর উত্তর দেবেন।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **BANGLA** as **Language-II** only.

PART-V
LANGUAGE-II
BENGALI

যে-সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** কে **ভাষা-II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন, তারা অবশ্যই **ভাগ-V (121 থেকে 150 নং প্রশ্ন)** এর উত্তর দেবেন।

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ুন এবং সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (121 থেকে 128 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

বাহাত্তুরে বুড়ো চৈতন্য দাদু। আজগুবি গপপো ফাঁদতে তাঁর জুড়ি কেউ ছিলেন না। ছেলেবেলা থেকে সাগরে ও সাগরের চরে মাছ-কাঁকড়া ধরে কাটিয়েছেন, মাঝবয়সে সুন্দরবনের জঙ্গল সাফ করে চাষের জমি তৈরি করেছেন। শেষ বয়সে ঘরে। বাঘ, কুমির, সাপ, মাছ, হাঙর এবং আরও নানা আজব আজব জানোয়ারের গপপো ফেঁদে আমাদের একেবারে তাক লাগিয়ে দিতেন। সামান্য সত্য ঘটনাকে ফুলিয়ে ফাঁপিয়ে এত বড় রোমহর্ষক করে তুলতেন যে, মনে হতো একেবারে সত্য ঘটনা। তেমনই একটি কাহিনি তাঁর দেখা চলমান ফুল।

চৈতন্য দাদুর আমলেও সাগরতীরে চর ছিল। এখানে-ওখানে গজিয়ে উঠেছিল এক-একটা বালিয়াড়ি। চরের বেশির ভাগ জায়গা জুড়ে ছিল লোনা ভূমির গাছপালা - ঝোপঝাড় বিষাক্ত পোকামাকড় এবং শেয়াল-শুওরদের আস্তানা। তবু মাছ, কাঁকড়ার লোভে অনেকেই যেতেন। চৈতন্য দাদু ছিলেন তাদের একজন। খালে খালে মাছ ধরতেন এবং মাঝে মাঝে যেতেন কাঁকড়া ধরতে। কাঁকড়ার গর্ত খুঁজতে সময় লাগতো বলে সকালে রোদ ওঠার পর পিঠে গামছায় বাঁধা - পোড়া পিঠে ঝুলিয়ে এবং হাতে খাড়ু, খালুই ও বাঁশের তৈরি ইয়া বড়ো গেঁজ নিয়ে বেরিয়ে পড়তেন। ফিরতেন বিকেলে। মধ্যাহ্ন সারতেন পিঠে খেয়ে।

একদিন দুপুরে একটা বালিয়াড়িতে কেয়াঝোপের তলায় বসে পিঠে খাচ্ছিলেন। বালিয়াড়িটা বেশ বড়। গাছপালাও নেই। হঠাৎ একটা উদ্ভট চিন্তা মাথায় এলো। আষাঢ় আসছে, বালিয়াড়িতে শণের বীজ বুনলে কেমন হয় ? ঘরে তো অঢেল শণবীজ।

কয়েকদিন বাদে পুনরায় কাঁকড়া ধরতে গিয়ে বিরাট এক এলাকা জুড়ে বুনে এলেন শণের বীজ। এলো আষাঢ় মাস। বৃষ্টি বাদলায় চাষবাষ ফেলে আর যাওয়া হলো না চরে। ভুলেই গেলেন শণবীজ বোনার কথা। তাঁর মতে ইন্দ্রদেব ভাদ্রমাসের একটা পক্ষ চাষিকে দেয় আর একটা পক্ষ দেয় মুচিদের। সে বছর ভাদ্রের প্রথম পক্ষ চাষিকে দিয়ে শেষ পক্ষটায় মেঘদের ঘরে ডেকে নিলেন। কয়েকদিন ধরে একটানা কাঠফাটা রোদ্দুর এবং ভ্যাপসা গরম দেখে কাঁকড়া ধরার নেশা চেপে বসলো। সেই পোড়া পিঠে পিঠে ঝুলিয়ে একদিন ছুটলেন কাঁকড়ার খোঁজে। এই সময় থেকে কাঁকড়া গর্তবাস শুরু করে এবং ঘন ঘন খোলস বদলায়।

খাল, বন - বাদাড় ইত্যাদি ভেঙে সাগরের কাছাকাছি হতেই চোখে পড়লো হলুদ রঙের ঘন বন। চোখ কপালে তুলে দাঁড়িয়ে পড়লেন। এখানে বন এলো কোথা থেকে ? তাও আবার হলুদ বন ! সাগর জাদুকর বটে। কিন্তু মাত্র তিন মাসের ভেতরে কোন জাদুকরি বিদ্যায় গড়ে ফেলেছে এমন আশ্চর্য সুন্দর এক বনভূমি ?

হঠাৎ মনে পড়ে গেল শণবীজ বোনার কথা। কাঁকড়া ধরা মাথায় উঠলো। ছুটলেন সেই বনের দিকে। বনের ধারে দাঁড়িয়ে উপরের দিকে তাকাতেই চোখ দুটো স্থির হয়ে গেল। আট-দশ হাত উঁচু গাছের ডগাগুলো ফুলে ফুলে ভরা। কাঁচা হলুদের মতো রঙ। নানা রঙের প্রজাপতি, বোলতা আর ভোমরারা ঘুরে বেড়াচ্ছে। কেউ মধু খাচ্ছে, কেউ হলুদ মাখছে, কেউ বা বাসা বানাবার জন্য পাতা কেটে বুকে চেপে ধরছে। তাঁরই রচিত আশ্চর্য বনের অত্যাশ্চর্য রূপ এবং বন থেকে ভেসে আসা সৌরভ তাকেই বিবশ করে ফেললো। হাঁ করে দাঁড়িয়ে রইলেন এবং পরম মমতায় আলতোভাবে দু-চারটে গাছকে একসঙ্গে জড়িয়ে ধরলেন।

কিছুক্ষণ পরে পায়ের গোড়ালি থেকে নিচের দিকটা কুট কুট করতে শুরু করায় তিনি কল্পরাজ্য থেকে বাস্তব জগতে ফিরে এলেন। নিচের দিকে তাকিয়েই আঁৎকে উঠলেন। তাঁকে ঘিরে ফেলেছে আরও আশ্চর্য ধরনের হাজার হাজার ফুল। পাপড়িগুলো তাঁর পায়ে ঝাপটা দিচ্ছে আর বিছুটির জ্বালা ধরিয়ে দিচ্ছে। পা বেয়ে উপরে উঠতেও শুরু করে দিয়েছে কেউ কেউ। বনের ভিতর থেকে পিলপিল করে বেরিয়ে আসছে আরও হাজার কয়েক। বোধ হয় শণফুল খাচ্ছিল এবং অবাঞ্ছিতকে উপস্থিত হতে দেখে আক্রোশে ফেটে পড়ে আক্রমণে তৎপর হয়ে উঠেছে। গেঁজ পিটিয়ে মারতে গেলেন। কিন্তু কটাকে মারবেন ? দুটোকে মারলে দশটা চেপে বসে। গেঁজ দিয়ে ছাড়াতে চাইলেন, তাতেও কিচ্ছু হল না। অগত্যা লাফ দিয়ে বালিয়াড়ি থেকে বেলাভূমিতে নেমে এলেন। কিন্তু তাতেও কী রক্ষা

আছে? ততক্ষণে বন থেকে বেরিয়ে এসেছে ষাট হাজার খুদে দৈত্য। চোখের পলক ফেলতে না ফেলতেই বেলাভূমিতে তাঁর চারদিকে বেষ্টনী রচনা করে ফেললো। চক্রব্যূহের ভেতরে অভিমন্যুর মতো তিনি শুধু গেঁজ ঘুরিয়ে ঘুরিয়ে তাড়াতে চেষ্টা করলেন। না, ছাড়ার পাত্র নয় তারা, আরও তেড়ে এলো। উপায় না দেখে নেমে পড়লেন সাগরে হাঁটুসমান জলে। ঘন ঘন ঢেউ আসছে এবং আছড়ে পড়ছে বেলাভূমিতে। ভাবলেন, ঢেউয়ের তোড়ে নাকানি চোবানি খেয়ে পালিয়ে যাবে।

121. "ঘন ঘন ঢেউ আসছে এবং আছড়ে পড়ছে বেলাভূমিতে" - কোন শ্রেণীর বাক্য ?

(1) জটিল (2) যৌগিক (3) মিশ্র (4) সরল

122. চৈতন্য দাদুর মধ্যাহ্নে প্রধান খাবার কী ছিল ?

(1) পোড়া পিঠে (2) মাছ (3) শণবীজ (4) পোড়া কাঁকড়া

123. বিবৃতি ঃ-

ষাট হাজার খুদে দৈত্যের হাত থেকে মুক্তি পেতে তিনি হাটু সমান জলে নেমে পড়লেন। কারণ -

কারণ (ক) ঃ আশ্চর্য ধরনের হাজার হাজার ফুলের পাপড়িগুলো তাঁর গায়ে ঝাপটা দিচ্ছে ও বিছুটির জ্বালা ধরিয়ে দিচ্ছে।

কারণ (খ) ঃ হলুদ ফুলে ভরা বনের অত্যাশ্চর্য রূপ এবং বন থেকে ভেসে আসা সৌরভ তাকেই বিবশ করে ফেলল।

(1) কারণ **(ক)** এবং **(খ)** দুটোই ভুল (2) কারণ **(ক)** ঠিক; **(খ)** ভুল

(3) কারণ **(ক)** ভুল; **(খ)** ঠিক (4) কারণ **(ক)** এবং **(খ)** দুটোই ঠিক

124. কখন চৈতন্য দাদু কল্পজগত থেকে বাস্তবে ফিরে এলেন ?

(1) শণবনের ফুলের ভেসে আসা সৌরভে মুগ্ধ হয়ে।

(2) তারই রচিত শণগাছগুলিকে পরম মমতায় জড়িয়ে ধরে।

(3) হাজার হাজার চলমান ফুলের আক্রমণের যন্ত্রণায় অস্থির হয়ে।

(4) শণবনের হলুদ ফুলে ভরা রূপ দেখে।

125. নীচের বিবৃতিগুলি পড়ুন ও সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন।

(ক) সামান্য ঘটনাকে ফুলিয়ে ফাঁপিয়ে আজগুবি গল্প বানাতে তিনি ছিলেন অতুলনীয়।

(খ) মাছ, কাঁকড়ার লোভ থাকলেও সাগরতীরের লোনাভূমির ঝোপে ঝাড়ে চৈতন্য দাদু কখনই যেতেন না।

(গ) পিঠে দিয়ে মধ্যাহ্ন ভোজন সারতে সারতে তার শণবীজ বোনার উদ্ভট চিন্তা মাথায় এলো।

(ঘ) নিজের বোনা শণবীজ থেকে গড়ে ওঠা বনের অত্যাশ্চর্য রূপ দেখেও তার শণবীজ বোনার কথা মনে এলো না।

(1) (ক) এবং (ঘ) বিবৃতি দুটি সত্য। (2) (গ) এবং (ক) বিবৃতি দুটি সত্য।

(3) (গ) এবং (খ) বিবৃতি দুটি সত্য। (4) (ক) এবং (খ) বিবৃতি দুটি সত্য।

126. "বন থেকে ভেসে আসা সৌরভ তাকেই বিবশ করে ফেলল।"

'বন থেকে' - কোন কারক ?

(1) অধিকরণ (2) করণ (3) কর্ম (4) অপাদান

127. 'বালিয়াড়ি' শব্দটির অর্থ কী ?

(1) সমুদ্র বা নদনদীর বালিপূর্ণ সমতল তীরভূমি (2) শাড়ি বিশেষ

(3) মিষ্টি বিশেষ (4) সমুদ্র বা নদনদীর বালিপূর্ণ উঁচু তীরভূমি

128. প্রদত্ত গদ্যাংশটির বর্ণনা অনুযায়ী সঠিক ঘটনাক্রমটি হবে -

(ক) ভাদ্রের শেষে পোড়া পিঠে পিঠে ঝুলিয়ে চললেন কাঁকড়ার খোঁজে।

(খ) ছুটলেন সেই আশ্চর্য সুন্দর হলুদ বনভূমির দিকে।

(গ) হাজার হাজার ফুল তাঁকে বেষ্টন করল।

(ঘ) কাঁকড়া ধরতে গিয়ে বুনে এলেন শণের বীজ।

সঠিক ক্রমটি কী ?

(1) (ক) - (গ) - (খ) - (ঘ)
(2) (ঘ) - (গ) - (খ) - (ক)
(3) (ক) - (ঘ) - (খ) - (গ)
(4) (খ) - (গ) - (ঘ) - (ক)

নির্দেশ ঃ নিম্নে প্রদত্ত গদ্যাংশটি পড়ে সংশ্লিষ্ট প্রশ্নগুলির (129 - 135 নং প্রশ্ন) নিকটতম উত্তর নির্বাচন করুন।

ছায়াপথ-এই ঘূর্ণায়মান, সমতল চাকতিটির কেন্দ্রে বা কেন্দ্রের খুব কাছে রয়েছে একটি নক্ষত্র। নানা দিক দিয়েই নক্ষত্রটিকে অনন্য বলা যায় যার মধ্যে তার বৈশিষ্ট্য ও পরিস্থিতিও পড়ে। যেমন, এই নক্ষত্রটিকে কেন্দ্র করে ঘুরছে দুটি গ্রহ। আমরা প্রাণ বলতে যা বুঝি তা ঐ দুটি গ্রহেও সৃষ্ট হয়েছিল এবং দফায় দফায় সেখানে সভ্যতার বিকাশ ও বিনাশও ঘটেছে। ওখানকার বিজ্ঞানীরা তাঁদের নীহারিকাগত পরিবেশ সম্বন্ধে জানার জন্য মহাকাশযানও প্রেরণ করেছেন। তাঁরা বিশ্বাস করেন যে মহাবিশ্বে নিশ্চয়ই অজানা সভ্যতার বিকাশ ঘটেছে - সম্ভবত তাঁরা যে নক্ষত্রপুঞ্জের বাসিন্দা তার মধ্যেই এর অস্তিত্ব রয়েছে। আমরা, পৃথিবীবাসী মানুষেরা ঐ যমজ গ্রহের বুদ্ধিমান প্রাণীদের নাম দেব টেম্পোরীয় ও তাদের দুই গ্রহকে টেম্পোরা-1 ও টেম্পোরা-2 নামে অভিহিত করব। বলাই বাহুল্য যে নক্ষত্রটিকে ঐ দুই গ্রহ প্রায় বৃত্তাকার পথে প্রদক্ষিণ করে চলেছে সেটিই হল তাদের সূর্য বা দুই টেম্পোরা-র সূর্য।

জনৈক টেম্পোরীয় জ্যোতির্বিজ্ঞানী খুবই আশা নিয়ে বহুদূরে অবস্থিত একটি নক্ষত্রটিকে লক্ষ্য করছেন। তিনি হলেন আমাদের সর্বোচ্চ সম্মানে ভূষিত জ্যোতির্বিজ্ঞানীর সমপর্যায়ের। যে যন্ত্রটি তিনি ব্যবহার করছেন তা হল মনোবীক্ষণ - এ হল জীববিজ্ঞানের সূত্রানুযায়ী প্রস্তুত এক দূরবীক্ষণ যন্ত্র যা আলোর চেয়েও দ্রুততর কোনো রহস্যময় ও শক্তিশালী বিকিরণ কাজে লাগায়। নক্ষত্রটিকে ঘিরে একাধিক গ্রহের অবস্থিতি বড়ই অবিশ্বাস্য বলে তাঁর কাছে ঠেকছে। তিনি দূরাবস্থিত গ্রহগুলি সম্বন্ধে বেশি আগ্রহী নন কিন্তু 2, 3, 4 এবং 5 নং গ্রহগুলি দেখে তিনি বিস্ময়াবিষ্ট যদিও পঞ্চমটি সম্বন্ধে তিনি খুব নিশ্চিন্ত হতে পারছেন না।

পৃথিবীতে তৃতীয় বিশ্বযুদ্ধ সবে শেষ হয়েছে। এই যুদ্ধের সূত্রপাত কে ঘটায় সে বিষয়ে রাজনৈতিক পর্যবেক্ষকরা খুব নিশ্চিন্ত নন কিন্তু এর ফল পরিণাম ছিল যেমন অপ্রত্যাশিত তেমনি তার দরকারও ছিল। কেউ চায়নি যে এই হতভাগ্য গ্রহের পৃষ্ঠ থেকে যাবতীয় মনুষ্যজাতি নিশ্চিহ্ন হয়ে যাক। বৃহৎ শক্তিবর্গের কাছে পারমাণবিক অস্ত্রের যে ভাণ্ডার ছিল তার পরিমাণ অনেকটা কমে গেছে এবং মুষ্টিমেয় ভাগ্যবান ধনীরাই এই যুদ্ধের মধ্যে দিয়ে বেঁচেবর্তে থাকতে পেরেছে কারণ তারা ভূগর্ভস্থ প্রকোষ্ঠগুলি ভাড়া করতে পেরেছিল। গ্রহের ভূপৃষ্ঠ এখনও মানুষের পক্ষে নিরাপদ নয় এবং বৃক্ষাদি ও উদ্ভিদ সমেত মানবেতর সব প্রাণীই প্রায় নিশ্চিহ্ন হয়ে গেছে। সংক্ষেপে বললে পৃথিবীর পরিবেশ ও প্রাণমণ্ডলের ভারসাম্য সম্পূর্ণ ধ্বংস হয়ে গেছে এবং এই একবিংশ শতাব্দীতে মানব সভ্যতার ভবিষ্যৎ নির্ভর করছে কালের অতিবাহিত হওয়া ও মানুষের উদ্ভাবনী প্রচেষ্টার ওপর। এই গ্রহ এক বীভৎস নাটকের মূক দর্শক হয়ে এই ধ্বংসলীলা অবলোকন করেছে এবং মানুষরা অসহায়ভাবে সেই অবধারিত অন্তিমের অপেক্ষায় রয়েছে।

বিজ্ঞানীদের ব্যাপারটা কিন্তু আলাদা। এঁদের কাঁধে এখন চূড়ান্ত দায়িত্ব এবং যারা রক্ষা পেয়েছে তারা অধীর আশায় একমাত্র মুক্তিদাতা ভেবে বিজ্ঞানীদের মুখ চেয়ে রয়েছে। অনেকেই ঐ বিজ্ঞানীদের দোষ দিয়েছিল। বলেছিল যে ঐ বিজ্ঞানীরাই ভয়াবহ ঐ সব অস্ত্রের উদ্ভাবক। কিন্তু বিজ্ঞানীরা তাঁদের আবেদনে বলছেন যে রাজনৈতিক ও অন্যবিধ চাপে পড়েই তাঁদের ও কাজ করতে হয়েছিল, উপরন্তু যা ঘটে গেছে তা নিয়ে মড়াকান্না কেঁদে লাভ নেই। যা ঘটেছে তা ঘটে গেছে এবং যুদ্ধের নামে যা যা করা হয়েছে তার প্রতিবিধান করা আজ সম্ভব নয়। দেখা গেছে যে এই জাতীয় বিতর্কও অর্থহীন তাই বিজ্ঞানীদের মার্জনা করা হয়েছে। শুধু তাই নয়, বিনীতভাবে, এমন কি হাতে পায়ে ধরেও তাঁদের কাছে এমন নিবেদন রাখা হচ্ছে যাতে করে তাঁরা এই গ্রহকে পুনরায় প্রাণধারণের যোগ্য করে তোলেন।

আন্তর্জাতিক নভোবস্তুবিদ্যা ইনস্টিটিউটের সদর দপ্তর নয়া দিল্লিতে অবস্থিত। এর পরিচালক, ড° মালিক হচ্ছেন একজন বিশিষ্ট বিজ্ঞানী। কিন্তু তাঁকে নভোবস্তুবিশারদ বলাই বরং ভাল কারণ বিজ্ঞানের অন্যান্য শাখাতেও সমধিক পারদর্শিতার দাবি তিনি করেন না। অন্যান্য বাড়ি ঘরের মতই ইনস্টিটিউটের গবেষণাগার ও দপ্তরগুলি তৃতীয় বিশ্বযুদ্ধের ফলে ভেঙে গুঁড়িয়ে গিয়েছিল। যা কিছু বেঁচেছিল সেগুলো নিয়ে ড° মালিক ভূগর্ভস্থ একটি বাড়িতে চলে যান যার ছাদটি ছিল ইস্পাতের। সেরকম একটা জায়গা থেকে জ্যোতির্বিজ্ঞানগত বা কোনোরকম বীক্ষণের কাজই সম্ভব নয়। সংকট-কালীন বিশেষ পরিস্থিতিতে এসব কথা অবশ্য ওঠেই না।

129. যে দুটি গ্রহ বিশেষ নক্ষত্রটিকে কেন্দ্র করে ঘুরছে সেই দুটি গ্রহের বুদ্ধিমান বসবাসকারীদের পৃথিবীবাসীরা কী নামে অভিহিত করবে ?

(1) টেম্পোরা - 1 (2) টেম্পোরা - 2 (3) দেব টেম্পোরীয় (4) নক্ষত্রপুঞ্জবাসী

130. 'উদ্ভাবনী' এই বিশেষণটির নিচে কোন ক্ষেত্রে সঠিক প্রয়োগ হয়েছে ?

(1) উদ্ভাবনী-নক্ষত্র (2) উদ্ভাবনী-শক্তি (3) উদ্ভাবনী-যুদ্ধ (4) উদ্ভাবনী-গৃহ

131. 'বীক্ষণ' শব্দটির অর্থ কী ?

(1) অমনোযোগী দর্শন (2) বিশেষভাবে পঠন
(3) অমনোযোগী পঠন (4) বিশেষভাবে দর্শন

132. প্রদত্ত গদ্যাংশটি কী জাতীয় রচনা ?

(1) কল্পবিজ্ঞান ভিত্তিক (2) রূপকথা ভিত্তিক
(3) জ্যোতিষশাস্ত্র ভিত্তিক (4) বস্তুবিজ্ঞান ভিত্তিক

133. **তালিকা - ১** এবং **তালিকা - ২** মিলিয়ে সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন।

	তালিকা - ১		**তালিকা - ২**
(ক)	টেম্পোরীয়- 2	(i)	আলোর চেয়েও শক্তিশালী বিকীরণ ব্যবহার করে।
(খ)	দেব টেম্পোরিয়	(ii)	ডঃ মালিকের পারদর্শিতার বিষয়
(গ)	নভোবস্তু	(iii)	নূতন সৃষ্ট গ্রহ
(ঘ)	মনোবীক্ষণ যন্ত্র	(iv)	নূতন গ্রহ দুটিতে বসবাসকারী প্রাণী

(1) (ক) - (iii), (খ) - (iv), (গ) - (ii), (ঘ) - (i)
(2) (ক) - (i), (খ) - (iv), (গ) - (ii), (ঘ) - (iii)
(3) (ক) - (iv), (খ) - (iii), (গ) - (ii), (ঘ) - (i)
(4) (ক) - (ii), (খ) - (iii), (গ) - (i), (ঘ) - (iv)

134. তৃতীয় বিশ্বযুদ্ধের পর পৃথিবীতে কারা নিজেদের অস্তিত্ব রক্ষা করতে পেরেছিল এবং কেন ?

(1) ভাগ্যবান বৈজ্ঞানিকেরা কারণ তাঁরা বৈজ্ঞানিক গবেষণাগারে থেকে নিজেদের রক্ষা করেছিলেন।
(2) টেম্পোরা-1 এবং টেম্পোরা-2 এ বসবাসকারী মানুষেরা কারণ তারা পৃথিবী থেকে পলায়ন করে এই দুটি গ্রহে আশ্রয় নিয়েছিল।
(3) কিছুসংখ্যক ভাগ্যবান ধনীরা কারণ তারা অর্থের জোরে ভূগর্ভস্থ প্রকোষ্ঠ ভাড়া করেছিল।
(4) ভাগ্যবান মানুষেরা কারণ ঈশ্বর তাদের সহায় ছিলেন।

135. "যে যন্ত্রটি তিনি ব্যবহার করেছেন তা হল মনোবীক্ষণ" বাক্যটিকে সরল বাক্যে রূপান্তরিত করলে সঠিক রূপটি হবে -

(1) তাঁর ব্যবহৃত যন্ত্রটি হল মনোবীক্ষণ।
(2) যন্ত্রটি তিনি ব্যবহার করেছেন এবং এটি হল মনোবীক্ষণ।
(3) যন্ত্রটি ব্যবহার করেছেন বলে তিনি হলেন মনোবীক্ষণ।
(4) যন্ত্রটি তিনি ব্যবহার করেন তাই এটি হল মনোবীক্ষণ।

নির্দেশ ঃ নীচের প্রশ্নগুলির (136 থেকে 150 নং প্রশ্ন) সর্বাধিক সঠিক উত্তর নির্বাচন করুন।

136. 'ভাষান্তরীকরণ' (Translanguaging) কী ?

(1) ভাষা একটি নির্দিষ্ট সময়ের পরে কীভাবে পরিবর্তিত হয় তা বোঝায়।
(2) এটি একাধিক ভাষাকে শ্রেণীকক্ষের উৎস হিসেবে ব্যবহার করার শিক্ষামূলক পদ্ধতি।
(3) এটি বিদ্যালয়ে কয়টি ভাষা শেখানো হবে তার উপর একটি ভাষা-শিক্ষা-নীতি।
(4) ভাষা শিক্ষণ -শিখন কালে এক ভাষা থেকে অন্য ভাষায় স্থানান্তরিকরণ বোঝায়।

137. বিবৃতিমূলক জ্ঞান (Declarative Knowledge) হল -

(1) ব্যাকরণগত বিষয় সম্পর্কিত জ্ঞান।
(2) ব্যাকরণগত বিষয়ে কীভাবে ত্রুটি চিহ্নিত করতে হয় তা জানা।
(3) ব্যাকরণগত বিষয় কীভাবে করতে হয় তা জানা।
(4) একটি ভাষায় শব্দোচ্চারণ জানা।

138. ষষ্ঠ শ্রেণীর একজন শিক্ষিকা তাঁর ক্লাশে রান্নাঘরের কিছু জিনিষের লিখিত বর্ণনা থেকে শব্দ তালিকা শেখানোর জন্য চামচ, প্লেট, বাসনপত্র, বাক্সপেটরা এবং প্যান নিয়ে আসেন। ভাষা শিক্ষণে এই বস্তুগুলি কী নামে পরিচিত ?

(1) বাস্তব উপাদান (Realia)
(2) রান্নার উপাদান (Cooking items)
(3) বাস্তব জীবন কর্ম (Real Life tasks)
(4) শিক্ষণ উপাদান (Teaching Material)

139. নিচের পদ্ধতিগুলির কোনটি ভাষা শিখনের প্রয়োজনে মৌখিক অনুশীলন এবং ভাষার মান্য বৈশিষ্ট্যগুলির নিয়ন্ত্রণ" - কে সমর্থন করে ?

(1) সংযোগ সাধনকারী ভাষা শিক্ষণ (Communicative Language Teaching)
(2) ব্যাকরণ-অনুবাদ পদ্ধতি (Grammar Translation Method)
(3) সামগ্রিক শারীরিক প্রতিক্রিয়া (Total Physical Response)
(4) শ্রবণমূলক ভাষাতত্ত্ব (Audio Lingualism)

140. এখানে একটি প্রশ্ন রয়েছে। পড়ুন এবং বলুন এটি কোন ধরণের প্রশ্ন ?

একটি ছোট্ট মেয়ের গল্প পড়ে তার কষ্ট এবং অসুবিধাগুলির সম্মুখীন হওয়ার সাহস তোমার অনুভূতিতে আলোড়ন তুলল। তোমাকে সেই ছোট মেয়েটির প্রশংসা করে তাকে একটি চিঠি লিখতে হবে। 120 টি শব্দের মধ্যে একটি পত্র লেখো।

(1) দীর্ঘ উত্তরমূলক প্রশ্ন (Long Answer question)
(2) জ্ঞাত তথ্যাদির বিচার দ্বারা অজ্ঞাত তথ্যাদির নিরূপণমূলক প্রশ্ন (Extrapolative question)
(3) অপ্রাসঙ্গিক প্রশ্ন (Discursive question)
(4) অভিব্যক্তিপূর্ণ প্রশ্ন (Expressive Question)

141. ত্রিভাষা নীতিতে নিচের কোনটি ঠিক ?

(1) সব শিশুরাই তাদের স্কুলের পড়া শুরু করে রাজ্যের ভাষাকে মাধ্যম করে এবং পড়া চলাকালীন মাধ্যমিক (High School) শেষ করা পর্যন্ত আরও দুটো ভাষা শিখতে থাকে।

(2) সব শিশুরাই তাদের স্কুলের পড়া শুরু করে সরকারী ভাষা, হিন্দির মাধ্যমে এবং পড়া চলাকালীন মাধ্যমিক শেষ করা পর্যন্ত আরও দুটো ভাষা শিখতে থাকে।

(3) সব শিশুরাই তাদের স্কুলের পড়া শুরু করে তাদের মাতৃভাষা/গৃহের ভাষার মাধ্যমে এবং পড়া চলাকালীন মাধ্যমিক শেষ করা পর্যন্ত আরও দুটো ভাষা শিখতে থাকে।

(4) সব শিশুরাই তাদের স্কুলের পড়া শুরু করে ইংরেজী/গৃহভাষাকে মাধ্যম করে এবং পড়া চলাকালীন মাধ্যমিক (High School) শেষ করা পর্যন্ত আরও দুটো ভাষা শিখতে থাকে।

142. ভাষা শিক্ষায়, জাতীয় শিক্ষানীতি, 2020 -এর কোনটি সত্য নয় ?

(1) ত্রিভাষা নীতির অন্তর্গত মাতৃভাষা/গৃহের ভাষা অধ্যয়ন।

(2) ত্রিভাষা নীতির অন্তর্গত ভারতীয় ভাষার অধ্যয়ন।

(3) ত্রিভাষা নীতির অন্তর্গত ইংরেজী একটি ভাষারূপে অধ্যয়ন।

(4) ত্রিভাষা নীতির অন্তর্গত ধ্রুপদী ভাষার অধ্যয়ন।

143. ভাষা শিখনে নিচের বিবৃতিগুলির মধ্যে কোনটি সত্য ?

(1) স্থানীয়/প্রথম ভাষার জ্ঞান দ্বারা দ্বিতীয় ভাষা শিখনে কিছুই করার থাকে না।

(2) স্থানীয়/প্রথম ভাষার জ্ঞান দ্বিতীয় ভাষা শিখনে সহায়তা করে।

(3) প্রথম ভাষা এবং দ্বিতীয় ভাষা শেখা সম্পূর্ণরূপে স্বতন্ত্র।

(4) স্থানীয়/প্রথম ভাষার জ্ঞান দ্বিতীয় ভাষা শিখনে প্রতিবন্ধকতার সৃষ্টি করে।

144. সমাজবিজ্ঞান ক্লাশে শিক্ষার্থীরা শ্রেণীকক্ষের বক্তৃতার মূল ধারণাগুলিকে আয়ত্ত্ব করে এবং বক্তৃতার গুরুত্বপূর্ণ দিকগুলির তালিকা তৈরী করে। এই দক্ষতা কী নামে পরিচিত ?

(1) শ্রবণ দক্ষতা (Listening Skill)

(2) লিখন দক্ষতা (Writing Skill)

(3) ধারণা সংক্রান্ত দক্ষতা (Cognitive Skill)

(4) অধ্যয়ন দক্ষতা (Study Skill)

145. শিখনের জন্য একটি ভাষা ভালভাবে লিখতে হলে নিচের কোন পদ্ধতিটি কার্যকরী ?

(1) চিন্তাভাবনার আলোড়ন - অপরিহার্য বিষয়ের সংযোগীকরণ - খসড়া লিখন - রূপরেখা নির্মাণ - সম্পাদনা - চূড়ান্ত রূপ প্রদান

(2) চিন্তাভাবনার আলোড়ন - অপরিহার্য বিষয়ের সংযোগীকরণ - খসড়া লিখন - সম্পাদনা - রূপরেখা নির্মাণ - চূড়ান্ত রূপ প্রদান

(3) চিন্তাভাবনার আলোড়ন - অপরিহার্য বিষয়ের সংযোগীকরণ - রূপরেখা নির্মাণ - খসড়া লিখন - সম্পাদনা - চূড়ান্ত রূপ প্রদান

(4) চিন্তাভাবনার আলোড়ন (Braining Storming) - রূপরেখা নির্মাণ (making an outline) - খসড়া লিখন (drafting) - অপরিহার্য বিষয়ের সংযোগীকরণ (Jotting down points) - সম্পাদনা (Editing) - চূড়ান্ত রূপ প্রদান (Finalising)

146. এটি শিক্ষামূলক ভাষার অথবা বিভিন্ন পাঠ্য বিষয়ের ক্ষেত্রে প্রয়োজনীয় ভাষার দক্ষতা বোঝায়। সেটি কোনটি ?

(1) প্রাথমিক ব্যক্তিভিত্তিক সংযোগ সাধন দক্ষতা (BICS) (Basic Interpersonal Communication Skills)

(2) সংযোগ-সাধনকারী ভাষা দক্ষতা (Communicative Language Skills)

(3) ধারণা সংক্রান্ত শৈক্ষিক ভাষা যোগ্যতা (CALP) (Cognitive Academic Language Proficiency)

(4) ভাষাগত কুশলতা (Inter-language proficiency)

147. সপ্তম শ্রেণীর ছাত্র এলাম চারটি ভাষায় কথা বলতে পারে কন্নড়, মারাঠি, হিন্দি এবং ইংরেজী। সে যখন বাড়িতে বাবা মায়ের সাথে কথা বলে তখন সে চারটি ভাষাই স্বচ্ছন্দে ব্যবহার করতে পারে এবং স্কুলে সে হিন্দি, কন্নড় এবং ইংরেজী ব্যবহার করে কারণ তার বন্ধুদের এবং শিক্ষিকাদের এগুলিই জানা রয়েছে। এই অভ্যাসকে কী বলে ?

(1) সমন্বিত নিয়মাবলী (Code-meshing)

(2) পরিবর্তনশীল নিয়মাবলী (Code-moving)

(3) আন্তঃভাষা (Inter-language)

(4) ভাষান্তরীকরণ যোগ্যতা (Translingual ability)

148. এরূপ পরিস্থিতি যেখানে শিক্ষার্থীরা বিষয়ের উদ্দেশ্যের বিপরীতমুখী চিন্তা করে, সেখানে তাদের পুণরায় এটি বোঝার সুযোগ দেওয়া হয়। শিক্ষার্থীদের উন্নতির জন্য এই পদ্ধতির প্রচেষ্টাকে কী বলে ?

(1) পদ্ধতিভিত্তিক শিক্ষানীতি (Process based pedagogy)

(2) জটিল সাক্ষরতা (Critical Literacy)

(3) সাক্ষরতার বিকাশ (Literacy development)

(4) জটিল বিশ্লেষণ (Critical Analysis)

149. অষ্টম শ্রেণীর একজন শিক্ষক পাঁচটি ইংরেজী বাক্য সমন্বিত একটি পাঠ দুইবার পড়লেন এবং তার শিক্ষার্থীদের সেই পাঠটি মনোযোগ সহকারে শুনতে বললেন। তারপর তিনি পঠিত পাঠটির কাছাকাছি ; একদম এক নয়, একটি পাঠ পুণরায় তৈরী করার জন্য চারজনের এক একটি দলকে কাজ করতে বললেন। এই প্রক্রিয়াটি কী নামে পরিচিত ?

(1) অনুচ্ছেদ শ্রুতিলিখন (Paragraph Dictation)

(2) সঙ্ঘবদ্ধ শ্রুতিলিখন (Collective Dictation)

(3) শ্রবণ কর্ম (Listening task)

(4) লিখন কর্ম (Writing task)

150. শিখনের ফলাফল শিক্ষার্থীকে যোগ্য করে তোলার প্রচেষ্টা করে -

(1) সীমিত নিয়মাবলীর মধ্যে যোগ্যতা লাভে সফল হতে।

(2) সব দক্ষতার শিখনের সামান্যতম স্তরে পৌঁছানোয় সফল হতে।

(3) সীমিত নিয়মাবলীর মধ্যে ভাষাগত উপাদান গ্রহণে সফল হতে।

(4) সীমিত নিয়মাবলীর মধ্যে ব্যাকরণগত জ্ঞানার্জনে সফল হতে।

- o O o -

SPACE FOR ROUGH WORK

নিম্নলিখিত নির্দেশগুলি মন দিয়ে পড়ুন :

1. বিভিন্ন ধরণের প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের জন্য যে নির্দেশ পরীক্ষা পুস্তিকায় দেওয়া রয়েছে, প্রশ্নের উত্তর নির্বাচনের পূর্বে তা মনোযোগ সহকারে পড়ুন।

2. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে (OMR) উত্তর পত্রে কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল / কালো বল পয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে। একবার উত্তর চিহ্নিত করণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না।

3. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবে না, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না। পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না।

4. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন। কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না। শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে।

5. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন।

6. মেশিন কেবলমাত্র উত্তরপত্রে (OMR) দেওয়া সংকেতই পড়তে পারবে। তাই কোনো তথ্য অসম্পূর্ণ রাখা চলবে না এবং প্রবেশপত্রে প্রদত্ত তথ্যের সাথে তার কোনো পার্থক্য থাকবে না।

7. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না।

8. মোবাইল, বেতার যোগাযোগ মাধ্যম (এমনকী নিষ্ক্রিয় করে রাখা মোবাইল) এবং অন্যান্য নিষিদ্ধ বৈদ্যুতিক উপকরণ পরীক্ষা হলে আনা চলবে না। এই নির্দেশ পালন না করলে তাকে অন্যায় আচরণ হিসেবে গণ্য করা হবে এবং যে কোনো ব্যবস্থা নেওয়া হবে এমনকী তার পরীক্ষা বাতিল করাও যেতে পারে।

9. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন।

10. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না।

11. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল্ থেকে বেরোবেন না। যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর পত্র জমা করেন নি - এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে। **পরীক্ষার্থীরা তাদের বাম হাতের বুড়ো আঙ্গুলের ছাপ হাজিরা পত্রে দেওয়া স্থানে অবশ্য লাগান।**

12. ইলেক্ট্রনিক/ হস্তচালিত ক্যালকুলেটর ব্যবহার নিষিদ্ধ।

13. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য। কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ী সম্পন্ন হবে।

14. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও উত্তর পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না।

15. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর পত্রটি অবশ্যই কক্ষ-নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন। পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই - পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***